समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अप्रैल २०२१ • वर्ष ७२ • अंक ०४

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

बासन्तिक नवरात्रि एवं रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ!!

इस अंक में –

- **अध्यक्षीयः जन-जन के नायक भगवान श्रीराम**
- **सम्पादकीयः मानव जीवन की छह अनमोल संपत्तियाँ**
- **रपटः**

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन – कार्यकारिणी समिति की बैठक, संगठन माह, राजस्थानी भाषा अधिकार दिवस, राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन – शाखाओं की आमसभा, चुनाव, पदभार ग्रहण, पुस्तक विमोचन, होली प्रीति मिलन समारोह एवं विविध गतिविधियाँ

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्निर्वाचित अध्यक्ष

श्री रमेश कुमार बंग

Rungta Mines Limited
Chaibasa
S RUNGTA R GROUP
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

समाज विकास

◆ अप्रैल २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक ०४
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** मानव जीवन की छह अनमोल सम्पत्तियाँ	४-५
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** जन-जन के नायक भगवान श्रीराम	७
● **रपट –**	
बिहार सम्मेलन	८-१०
पूर्वोत्तर सम्मेलन	११-१६
● **समाचार सार**	१६-२०
● **कविता : रतन लाल बंका** मैं मुरदो जीतो जागतो	२३
● गुड़ : स्वाद भी, गुण भी!	२३
● देव-स्तुति	२५
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

बधाई !

सूरत, गुजरात के **श्रीमती वीणा** एवं **श्री संदीप सिंगल** की सुपुत्री **सुश्री आयुषी सिंगल** पहले प्रयास में ही एम.बी.बी.एस. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं।

ध्यातव्य है कि श्री संदीप सिंगल गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक महामंत्री हैं एवं सम्प्रति प्रादेशिक उपाध्यक्ष हैं।

डॉ. आयुषी एवं पूरे सिंगल परिवार को हार्दिक बधाइयाँ देते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

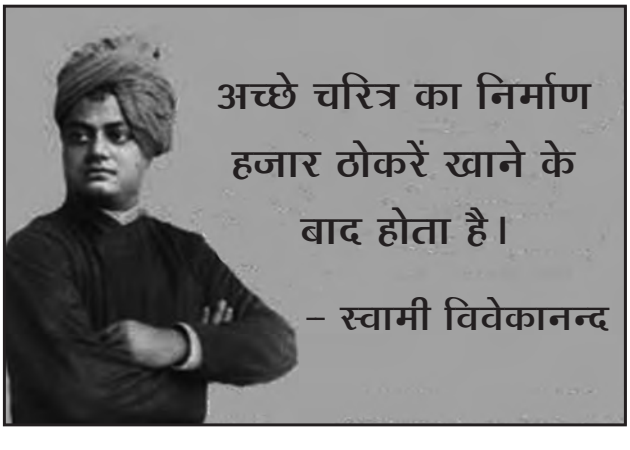

मानव जीवन की छह अनमोल सम्पत्तियाँ

साधारणतः हम यह समझते हैं कि हम अपने घरों में रहते हैं। इस संबंध में एक विचारधारा यह भी है कि घरों में तो हमारा शरीर रहता है। हमारे शरीर से वड़ा हमारा मन है। इस मन में हम विचरण करते रहते हैं। इसलिये मन का वहुत महत्व है। कवीर दासजी ने कहा है –

मन के मारे बन गये, बन तजि बस्ती माहिं
कहै कबीर क्या कीजिये, यह मन ठहरै नाहिं।

अर्थात, मन के कहे वन की ओर गमन किया। फिर वही मन जव बदल गया तो वन तज कर फिर शहर में आ गये। यह मन एक जगह ठहरता नहीं।

गीता में भगवान श्री कृष्ण ने भी कहा है –

चंचलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलवद्दृढम्
तस्याहं निग्रहं मन्ये वायोरिव सुदुष्करम्।

यानि मन अत्यंत चंचल, प्रमादी, बलवान एवं दृढ़ होता है। इसका निग्रह करना वायु को कावू करने से भी अधिक कठिन है।

गीता में यह भी कहा गया है कि अगर कहे में रहे तो मन सर्वोत्तम मित्र है एवं अगर कहे में नहीं रहे तो सदैव शत्रु बना रहता है। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि मन को नियंत्रण में रखना कितना महत्वपूर्ण है। आत्मवल, आत्मज्ञान एवं आत्मसंयम ही जीवन को परम शक्ति सम्पन्न वनाती हैं। इस मन के द्वारा ही हमारा चरित्रगठन होता है, जो कि हमारे जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करता है। प्रकृति ने अपने अमूल्य रत्नों को मानव के अंदर भरकर भेजा है। उन रत्नों को खोजकर अपने जीवन में उपयोग करने से ही जीवन का वास्तविक उत्कर्ष हम प्राप्त कर सकते हैं। हमारे योगियों ने ६ गुणों का उल्लेख किया है। इन गुणों को षट् सम्पत्ति का नाम दिया है। साधारणतः हम रुपया-पैसा, जमीन-जायदाद, हीरे-जवाहरात, कल-कारखानों जैसे स्थूल चीजों को ही सम्पत्ति समझते हैं। किन्तु ये षट् सम्पत्तियाँ सूक्ष्म हैं एवं प्रत्येक व्यक्ति इन सम्पतियों को अपने अंदर जागृत कर सकता है। ये सम्पत्तियाँ मानव द्वारा अपने मन को अपने आवश्यकतानुसार संचालित करने में सहायक होती हैं। ये छह सम्पत्तियाँ हैं – शम, दम, तितिक्षा, श्रद्धा, उपरति एवं समाधान। इन गुणों को अपनाने से हृदय में शांति आने लगती है एवं हम एकाग्र होकर बाहरी शक्तियों से अप्रभावित रहते हुये अपने परम लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। इन सम्पत्तियों के विषय में मनन करने की आवश्यकता है ताकि हम यह समझ सकें कि इनका क्या महत्व है।

शमः आंतरिक शांति अत्यंत ही आवश्यक उपादान है। कहा गया है – जव हमारा मन शांत होता है तो आत्मा खिलने लगती है। जव हमारा मन अशांत है तो हमारी बुद्धि सुस्त एवं विचलित रहती है। न तो हम ध्यान से सुन सकते हैं, न ही ठीक से समझ सकते हैं। योग वशिष्ठ में मुनिश्री ने कहा है – शम ही परम आनंद, परम शिवपद है। जिस पुरुष ने शम को पाया है सो संसार समुद्र से पार हुआ। उसके शत्रु भी मित्र हो जाते हैं। जैसे चन्द्र उदय होता है तव अमृत की किरणें फूटती हैं और शीतलता होती है, वैसे ही जिसके हृदय में शम रूपी चन्द्रमा उदय होता है, उसके जीवन में शीतलता आ जाती है। शम देवता रूपी अमृत के समान कोई अमृत नहीं है। शम से परम शोभा की प्राप्ति होती है। जिस पुरूप को शम की प्राप्ति हुई है वह वंदना करने योग्य है। जैसा आनंद शमवान को होता है, वैसा अमृत पीने वाले को भी नहीं होता। कहा भी गया है कि मनकी शांति से अधिक मूल्यवान कोई भी वस्तु नहीं है। अशांत मन से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। समझदारी इसी में है कि हम अपने क्रोध को समस्या की ओर ले जाय, लोगों की तरफ नहीं। ऊर्जा समाधान पर लगाएँ, वहानों पर नहीं। शांत मन से सही निर्णय लेने में सहजता होती है। शांत मन के लिए जीभ पर नियंत्रण, स्वास्थ्यवर्द्धक आहार, स्वयं को एवं अन्य को जो जैसा है, वैसा स्वीकार करना अत्यावश्यक है।

दमः मन को सदा धर्म में प्रवृत कर अधर्म से दूर रहने अर्थात अधर्म करने की इच्छा ही नहीं हो, मन की उस स्थिति को दम कहते हैं। दूसरे शव्दो में इन्द्रियों पर कछुवे की तरह नियंत्रण पाने का नाम दम है। पर यह इतना सहज नहीं है। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है – "हे अर्जुन! हमारी इन्द्रियाँ इतनी बलवान हैं कि उस बुद्धिमान को भी हर लेती है, जो इन्द्रियों को कावू मे करने की कोशिश करता है" इसीलिये इन्द्रियों को अपने वश में रखना चाहिए –

देयानि स्ववंशे पुँसा स्वेन्द्रियाण्याखिलानि वै।
असंयतानि स्वायन्तीन्द्रि याण्येतानि स्वामिनम्।।

यानि – असंयत इन्द्रियाँ हमारी स्वामी बन जाती हैं। इन्द्रियाँ आत्मा का औजार हैं, घोडे हैं, सेवक हैं। सभी इन्द्रियाँ उपयोगी हैं। सभी का कार्य जीवन को आनंद एवं उत्कर्ष प्रदान करता है। किन्तु मन को नियंत्रित किये विना इन्द्रियों को नियंत्रण नही किया जा सकता। अतएव कहा भी गया है – **मन एवं मनुष्याणां कारणं बन्ध मोक्ष्योः**। अर्थात मनुष्य का मन ही जीवात्मा के बंधन या मोक्ष का कारण होता है। मन चंगा तो कठौती मे गंगा। इन्द्रियों को अगर हम अपने नियंत्रण में नहीं रख पाते तो मनुष्य का पतन अवश्यम्भावी हैं। गीता में इसका वर्णन किया गया है – इन्द्रिय विषयों का चिन्तन करते हुए मनुष्य की उसमें आसक्ति उत्पन्न होती है और आसक्ति से काम उत्पन्न होता है। काम से क्रोध प्रकट होता है। क्रोध से अत्यंत मूढ़भाव पैदा होता है। उससे स्मृति भ्रष्ट हो जाती है एवं बुद्धि का नाश हो जाता है। फलस्वरूप, मनुष्य का पतन हो जाता हैं। परन्तु अपने अधीन किये हुए अंतःकरण वाला व्यक्ति अपने वश में की

हुई, राग-द्वेष से रहित इन्द्रियों द्वारा विषयों में विचरण करते हुए प्रसन्नता को प्राप्त होता है।

इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि इन्द्रिय विषय में आसक्ति किस प्रकार हमारे लिए हानिकारक है।

तितिक्षा: जो आपको पसंद नहीं है, उसको भी शांतिपूर्वक सहन करने की शक्ति को तितिक्षा कहते हैं। तितिक्षा का गुण है अपने आप को निराशा एवं आक्रोश से बचाकर रखना। सहनशीलता से जीवन का वास्तविक विकास होता है। सहनशीलता के अभाव में क्रोध पैदा होता है।

अगर हमारे मन के अनुसार नहीं होता तो हम अपनी शांति खो देते है, यह तितिक्षा के अभाव के कारण होता है। साधारणतः मन के अनुसार होने से हम सुखी एवं न होने से दुखी होते हैं। सुख-दुख एक अनुभूति है, जो व्यक्ति, वस्तु एवं समय सापेक्ष हैं। किसी एक घटना से कोई सुखी होता है, तो कोई दुखी। भावनात्मक स्तर के अनुसार सुख-दुख की अनुभूति होती है। सहिष्णुता के अभ्यास से आपका शत्रु आपका सर्वश्रेष्ठ शिक्षक बन जाता है। स्वीकारना, सहिष्णुता एवं माफ कर देना – ये गुण जीवन को बदलने की शक्ति रखते हैं। बिना सहिष्णुता के जीवन नरक बन जाता हैं। संत रूमि ने ठीक ही कहा है – **सहिष्णुता के कानों से सुनो। संवेदना की आँखों से देखो। प्रेम की भाषा में बात करो**। हम अपने जीवन के अनुभवों को एक शिक्षक के रूप में स्वीकार करते हैं। उनसे मिले सीख से हमारे अंदर सहनशक्ति एवं साहस बलवान होते हैं।

श्रद्धा: जिसकी आपको पूरी जानकारी नहीं है, उस पर विश्वास करना श्रद्धा का द्योतक है। श्रद्धा हमारे आत्मविश्वास को बल प्रदान करता है। श्रद्धा मानव जीवन की नींव है। इसी से व्यक्तित्व बनता है। श्रद्धा कोई यंत्र, मंत्र या तंत्र नही है। हमारे मन के अंतःकरण में एक भावना छिपी है। मनुष्य की श्रद्धा उसके अन्तःकरण की सोच के अनुसार होती है। श्रद्धा के महत्व को निरूपण करते हुए गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है – विना श्रद्धा के किया गया यज्ञ, दान, तप या कोई भी कार्य व्यर्थ एवं हानिकारक होता है। स्वयं पर, अपने परिवार एवं अन्य संबंधो में भी श्रद्धा आवश्यक है। चिकित्सक कोई औषधि देता है, उस पर श्रद्धा रखते हुए हम औषधि ग्रहण करते हैं। श्रद्धा के फल का गीता में इस प्रकार उल्लेख किया गया है (४.३९) – श्रद्धालु व्यक्ति अपनी इंन्द्रियो का संयम करके तत्परता से ज्ञान प्राप्त करता है। ज्ञान प्राप्त होने पर मुक्ति मिलती है और फिर परम शांति एवं सुख की अनुभूति करता है। मंगलमय जीवन के लिये इस बात पर श्रद्धा अत्यावश्यक है कि जो भी घटित होता है हमारे मंगल के लिए होता है। पूरी प्रकृति हमारे समर्थ के लिये कार्यरत है।

समाधान – बुद्धि को सर्वदा स्थिर रखना, अर्थात सन्तुष्टि में रखना समाधान है। जिनको संतोष धन मिल जाता है, वे आंतरिक रूप में प्रसन्नता एवं आनंद से भरपूर रहते हैं। **संतोष मूलं ही सुखं, दूख मूलं विपर्यय** – यानि संतोष सुख का मूल है एवं असंतोष दुःख का कारण। संतोष से सृजन शक्ति प्रष्फुटित होती है। इच्छाओं का अंत नही, तृष्णा कभी शांत नही होती। असंतुष्टि की दौड़ कभी खत्म न होने वाली दौड़ है। यह वसुंधरा अपने सारे पुत्रों को धन-धान्य दे सकती है, किन्तु एक भी व्यक्ति की तृष्णा को तृप्त नहीं कर सकती। कहा भी गया है – आवश्यकताएँ सब की पूरी होती है, तृष्णा राजा की भी पूरी नहीं होती। इसलिए माना गया है – संतोषी सदा सुखी। संतोषी सुख की नींद सोता है, असंतोषी सिर धुनता है। संतोष का अर्थ है तृप्ति। संतोष के विषय में सुभाषित है –

संतोष परम सौख्यं संतोष परममृतम।
संतोष परम पथ्यं संतोषः परमं हितम।।

संतोष परम सुख है, परम अमृत, परम पथ्य एवं परम हितकारी है। हमारे मन में यह धारणा रहती है कि संतुष्ट रहने से हमारी प्रगति रूक जायेगी। इस अवधारणा के विपरीत प्रत्येक परिस्थिति में शांत मन से एकाग्रचित्त होकर सृजन करने की उर्जा पैदा होती है। साथ ही साथ असफल होने की स्थिति में संतोष अवसाद एवं हीन भावनाओं से रक्षा करता है। असंतोष हमारा दुश्मन है। समाधान का सरल एवं सीधा अर्थ है मन का हो तो अच्छा, न हो तो और भी अच्छा। जो फल मिल रहा है या जो घटित हो रहा है, उससे मैं खुश हूँ। क्योंकि जानता हूँ कि ईश्वर का फैसला मेरी इच्छा से श्रेष्ठ है।

उपरति – जो भी परिस्थिति हो, उनसे उपर उठना एवं अपने अंदर अनासक्त भाव से जिस किसी भी काम में लगे हैं, पूरे लगन एवं निष्ठा के साथ संयुक्त रहना, उपरति की निशानी है। अपने लक्ष्य पाने के रास्ते में विघ्न डालने वाले व्यसन, बुराईयों, सोच, व्याकुलता को त्यागना। **श्री श्री रविशंकर के अनुसार जो भी आप कर रहे हों – चाहे वह छोटे से छोटे काम ही क्यों न हो – उसमें आनंद प्राप्त करना उपरति का द्योतक है।** जब मनुष्य में उपरति की कमी होती है तो वह निराशा, या अनिच्छा से युक्त रहता है। जिस व्यक्ति में उत्साह ही नहीं होगा, वह नया सृजन नहीं कर पायेगा।

अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए जिस किसी कार्य में आप लगे हुए है, उसे पूरे उत्साह, पूरे जोशो-खरोश के साथ अंजाम देने से जल्दी फल प्राप्त करने की संभावना बढ़ जाती है।

यक्ष के प्रश्न के उत्तर में महाराज युधिष्टिर ने कहा था — जो मनुष्य प्रिय-अप्रिय, सुख-दुःख और भूत-भविष्यत् – इन द्वन्द्वों में सम है, वही सबसे बड़ा धनी है। जो भूत-वर्तमान और भविष्य सभी विषयों की ओर से निःस्पृह, शान्तचित, सुप्रसन्न और सदा योगयुक्त है, वही सब धनियों का स्वामी है।

ये गुण प्राकृतिक रूप से सभी व्यक्तियों में विद्यमान रहते हैं। इनका प्रयोग मनुष्य को मानव के रूप में जीवन-यापन करने के लिये दिया गया है। नासमझी में या छोटे-छोटे उद्देश्यों के लिये जीने में हम अपना जीवन खपा देते हैं। इस प्रकार मानव जीवन के पूरी संभावनाओं एवं क्षमताओं का हम प्रयोग भी नहीं कर पाते हैं। इस विषय में प्रत्येक व्यक्ति को सोचने की आवश्यकता है। यह कोई दिव्य आदर्श की बात नहीं हैं, यह हमारे एवं आपके जीवन के उत्कर्ष को पाने की बात है। इन सम्पतियो से सम्पन्न हम अपने जीवन को उस उत्कर्ष तक पहुँचा सकते हैं।

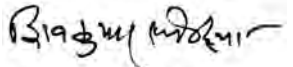

शिव कुमार लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
प्रादेशिक शाखाओं के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

उपाध्यक्ष	प्रादेशिक शाखा
श्री भानीराम सुरेका	पश्चिम बंग
श्री पवन कुमार गोयनका	दिल्ली, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात
श्री पवन कुमार सुरेका	बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश
श्री अशोक कुमार जालान	उत्कल, छत्तीसगढ़ एवं आन्ध्र प्रदेश
डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका	पूर्वोत्तर
श्री विजय कुमार लोहिया	तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक एवं केरल

सम्मेलन की उपसमितियों के चेयरमैन

उपसमिति	चेयरमैन
सलाहकार उपसमिति, भवन निर्माण उपसमिति	श्री सीताराम शर्मा
उच्च शिक्षा उपसमिति	डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
महापंचायत उपसमिति	श्री रामअवतार पोद्दार
पुरस्कार चयन उपसमिति	श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
संविधान उपसमिति	श्री संतोष सराफ
प्रशासनिक-राजनैतिक सम्पर्क एवं सहयोग उपसमिति	श्री जगदीश प्रसाद चौधरी
वित्तीय उपसमिति	श्री आत्माराम सोन्थलिया
समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति	डॉ. जुगल किशोर सर्राफ
मायड़ भाषा उपसमिति	श्री रतनलाल शाह
विधिक उपसमिति	श्री नंदलाल सिंघानिया
राजनैतिक चेतना उपसमिति	श्री विवेक गुप्त
स्वास्थ्य उपसमिति	श्री पवन जालान
संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति	श्री प्रह्लाद राय गोयनका
सेमिनार उपसमिति, समाज विकास उपसमिति	श्री शिव कुमार लोहिया
अन्नपूर्णा रसोई उपसमिति	श्री आनन्द कुमार अग्रवाल
सूचना तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति	श्री कैलाशपति तोदी
रोजगार सहायता उपसमिति	श्री दिनेश कुमार जैन
निर्देशिका उपसमिति	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल

अध्यक्षीय

जन-जन के नायक भगवान श्रीराम

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

राम एक आदर्श हैं – जन-जन के आदर्श। इसीलिए राम राज्य के कल्पना–संसार में मनुष्य आज भी विचरता है। श्रीराम का चरित्र समस्त गुणों की खान है। उनकी मातृ-पितृभक्ति एवं आज्ञापालन किसी युग में भी शायद ही ढूँढने से मिले। भाईयों के प्रति प्रेम एवं स्नेह अपरिमेय है। श्रीराम के प्रत्येक आचरण में धर्म के पालन को विशेष महत्व दिया गया है।

राम ने पृथ्वी पर अवतार रावण को मारने के लिए नहीं लिया था। रावण का संहार तो बिना अवतार लिए भी कर सकते थे। परन्तु जनसमुदाय के मन में बसे रावण को मारना आवश्यक था। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु ही श्रीभगवान ने पृथ्वी पर अवतार लिया। अपने आचरण से उन्होंने ऐसा कर दिखाया। जनसमुदाय के सद्चरित्र का निर्माण प्राथमिकता थी। स्वयं को उदाहरणस्वरूप प्रस्तुत करके लोगों के प्रेरणास्रोत बने। कथनी और करनी में अगर अन्तर होगा तो फिर वह आचरण प्रभावहीन हो जायेगा। गीता के अध्याय ३ के २१वें श्लोक में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि श्रेष्ठ जन जैसा आचरण करते हैं, जनसमुदाय उनका अनुसरण करते हैं। यही मनुष्य अवतार लेने का हेतु बनता है।

श्रीराम की मातृ-पितृभक्ति अलौकिक है। आज समाज में इसके प्रचार-प्रसार की नितान्त आवश्यकता है। मातृ-पितृभक्ति के अभाव के कारण ही वृद्धाश्रयों के निर्माण का कार्य आज की आवश्यकता बनता जा रहा है। मातृ-पितृभक्ति के प्रति सन्तान का अपने कर्तव्य एवं दायित्व से विमुख होना उत्तम संस्कारों के अभाव का परिणाम है। साथ ही, पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव का द्योतक है यह। गुलामी के कालखण्ड में हमारे संस्कारों के पतन, अवमूल्यन और कर्त्तव्य एवं दायित्व-निर्वहन के प्रति उदासीनता शनैः-शनैः अपने चरम पर पहुँच गये हैं। रामनवमी के इस पावन अवसर पर हमें राम की मातृ-पितृभक्ति के आदर्श को समाज में संस्कारित करना होगा। मातृ देवो भवः। पितृ देवो भवः। यह भावना पाठ्यक्रम में ही शामिल होने से अंकुरित हो सकती है।

इसी प्रकार रामजी का भ्रातृप्रेम अलौकिक है। आज भाई-भाई में तुच्छ सम्पति के लिए विवाद हो जाते हैं जो जन्म-जन्मान्तर की दुश्मनी का स्वरूप ले लेते हैं। बोलचाल बन्द हो जाती है, एक-दूसरे के यहाँ आना-जाना बन्द हो जाता है, यहाँ तक कि सुख-दुख में भी एक-दूसरे का सहारा नहीं बनते। कई मामले तो न्यायालय की शरण में चले जाते हैं जिनका वर्षों तक कोई निपटारा नहीं हो पाता है।

भरत राजा बनेगा, रामजी को अपार खुशी होती है। १४ वर्षों तक वन में रहकर कष्टकारी जीवन व्यतीत करना आज के समय में सोच से परे है। लक्ष्मण को तो वनवास नहीं हुआ था पर ऐसी मुसीबत में रामजी को अकेले कैसे जाने देते। उन्होंने भी जाने की जिद्द कर ली और साथ गये, साथ-साथ रहे। रामजी को किसी प्रकार का कष्ट न हो, इसका ध्यान रखा। बताते हैं कि १४ वर्षों तक लक्ष्मण ने नींद नहीं ली, यह है भाई के प्रति भाई का त्याग। भरत जी को जब रामजी के वनवास के घटनाक्रम का पता चलता है तो राज्य पाने की बात से प्रफुल्लित नहीं होते बल्कि अपनी माँ को खूब खरी-खोटी सुनाते हैं तथा उनसे माँ-बेटे का रिश्ता ही खत्म कर लेते हैं। यह था भातृत्व प्रेम। राम की विजय का कारण उसका भाई उसके साथ, सभी साधनों से युक्त रावण की पराजय का कारण उसका भाई उसके विरुद्ध। भरत जी कहाँ कम थे, गुरुजनों, माताओं तथा अन्य सब को साथ लेकर रामजी को वापस लाने को वन गमन करते हैं। उन्होंने रामजी की चरणपादुका को ही रामजी के प्रतीक-स्वरूप राजसिंहासन पर विराजित किया तथा १४ वर्षों तक ब्रह्मचर्य का पालन किया। वन में आते हुए रामजी के पाँव में काटा चुभा, उन्होंने धरती माँ से निवेदन किया कि माते जब भरत जब इधर आये तो अपने इन शूलों को नरम कर देना ताकि कोई शूल उसके पाँवों में चुभे नहीं। धरती माँ ने प्रश्न किया - ऐसा क्यों, प्रभु। रामजी ने कहा कि मेरा भाई बहुत भावुक है। उसको काँटा चुभेगा तो वह यह सोच कर दुखी हो जायेगा कि भैया राम को इन शूलों से कितना कष्ट पहुँचा होगा। आज समय आ गया है कि भाई-भाई तुच्छ भौतिक लाभ के लिए आप में द्वेष न करें। श्रीराम एवं उनके भाईयों से बन्धुत्व प्रेम के गुण को हम ग्रहण करें।

श्रीराम के सभी गुण अनुपम हैं। उदारता, समानता, संयम, शील, न्यायप्रियता, शासन-व्यवस्था आदि-आदि। बाली का वध करके सुग्रीव का किष्किंधा के राजा के रूप में राज्याभिषेक किया। रावण को मारकर विभीषण को लंका का राज्य दे दिया। ये उदारता है। भीलों के राजा को परम मित्र बनाया, यह समानता की भावना है। एक स्त्री के वरण – माता सीता के वन गमन के पश्चात ब्रह्मचर्य का पालन यह उनका संयम है। रामजी बहुत सरल हैं। उन्हें छल-कपट से बहुत नफरत है, वे कहते हैं – "मोहि कपट छल छिद्र न भावा।" सुलोचना के साथ, मन्दोदरी के साथ, मंथरा के साथ, माता कैकेयी के साथ सभी के साथ उनका व्यवहार बहुत सरल और हृदय को द्रवित कर देने वाला है।

वनवास के कष्टों ने श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान बना दिया। राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं जीवन के हर क्षेत्र में नेतृत्वकर्ता वर्ग को कष्ट, आलोचना झेल कर भी स्थापित परम्पराओं का पालन करने का हर सम्भव प्रयास करना चाहिये। मर्यादाओं का पालन कर भगवान तो नहीं पर पुरुषोत्तम तो बनने का प्रयास किया जाना चाहिये। यही रामनवमी मनाने का सही तरीका हो सकता है।

रामकथा हम सदियों से सुनते आये हैं फिर भी नित नवीन है। रामनवमी के पावन पर्व पर सादर अभिनन्दन!

जय समाज, जय राष्ट्र!

बिहार सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की बैठक

विपत्तिकाल में मारवाड़ी समाज का सेवा-भाव सराहनीय – नंदकिशोर यादव

"मारवाड़ी समाज सदैव समाजसेवा और मानवसेवा में समर्पित होकर योगदान करता है। जाति-धर्म व भेदभाव से उपर उठकर समाज के हर तबके, खासकर निर्धनों, की मदद करना मारवाड़ियों की विशिष्टता है। बिहार ही नहीं, देश के कोने-कोने में मारवाड़ी समाज की जरूरत है।" ये विचार वरिष्ठ राजनेता एवं विधायक **श्री नंदकिशोर यादव** ने गत १४ मार्च २०२१ को पटना स्थित खंडेलिया भवन में आयोजित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की बैठक में विशिष्ट आमंत्रित अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। श्री यादव ने कोरोनाकाल में आपदाग्रस्तों के अनवरत सहयोग, जरूरतमंदों के आँखों का ऑपरेशन एवं दिव्यांगों हेतु कृत्रिम अंग-प्रत्यार्पण सहित बिहार सम्मेलन द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवाकार्यों का उल्लेख किया और उन्हें सराहनीय बताया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री महेश जालान** ने कहा कि मारवाड़ियों की यह प्रवृत्ति है कि वे जहाँ रहते हैं, वहाँ के हो जाते हैं और उस स्थान के सर्वांगीण विकास हेतु हर सम्भव प्रयत्न करते हैं। हम भी पहले बिहारी हैं, फिर मारवाड़ी हैं।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी देत हुए श्री जालान ने बताया कि कोरोना-काल में प्रारम्भ हुई ऑक्सीजन बैंक सेवा बिहार के ३६ शहरों में चलाई जा रही है। अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम के अन्तर्गत हर शनिवार को ३९ शाखाओं के माध्यम से लगभग पन्द्रह हजार लोगों को बना-बनाया भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण तथा जल संचयन से सम्बंधित कई योजनाएँ भी बिहार सम्मेलन द्वारा चलाई जा रही हैं।

बैठक के दौरान भागलपुर की १०५ वर्षीया **श्रीमती त्रिवेणी देवी झुनझुनवाला** को **'समाज गौरव सम्मान'** एवं पूर्णिया के **श्री मुकेश अग्रवाल** को **'शौर्य सम्मान'** से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त मधुबनी प्रमण्डल के उपाध्यक्ष **श्री अजय टीबड़ेवाल** और मंत्री **श्री रविन्द्र नाहटा**, सहरसा के प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष **श्री मनीष सराफ** एवं शाहाबाद के प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष **श्री दीपक अग्रवाल** को अपने प्रमण्डल की सभी शाखाओं का दौरा करने के लिए **'कर्मवीर सम्मान'** प्रदान किया गया। अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम में विशिष्ट सहयोग हेतु गया की **श्रीमती बीना पचेरीवाला** और संगठन माह (फरवरी २०२१) के दौरान ३५० से भी अधिक सदस्य बनाने के लिए ११ समाजबंधुओं को **'सम्मेलन बंधु सम्मान'** प्रदान किया गया।

बैठक में बिहार सम्मेलन द्वारा आयोजित **"रंग भरी उड़ान : मेरा भारत महान"** चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों एवं सात शाखाओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी २०४ प्रतिभागियों को पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट दिए गए।

ये सभी सम्मान एवं पुरस्कार विधायक **श्री नंदकिशोर यादव** द्वारा प्रदान किए गए। समारोह के प्रारम्भ में प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष **श्री संजीव देवड़ा** ने अतिथियों का सम्मान किया। वरीय उपाध्यक्षगण **श्री राजेश बजाज** एवं **श्री नीरज खेड़िया** सहित अच्छी संख्या में बिहार सम्मेलन के पदाधिकारी-सदस्यगण बैठक में उपस्थित थे।

फरवरी २०२१ रहा बिहार सम्मेलन का संगठन माह

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने फरवरी २०२१ के महीने को 'संगठन माह' के रूप में मनाया। प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री महेश जालान** सहित ३२ प्रादेशिक पदाधिकारियों ने शाखाओं का राज्यव्यापी दौरा किया जिससे न सिर्फ संगठन-विस्तार को बढ़ावा मिला अपितु सम्मेलन की शाखाओं एवं पदाधिकारियों-सदस्यों की सक्रियता पर भी अत्यंत अनुकूल प्रभाव पड़ा।

बेनीपट्टी शाखा का दौरा

झंझारपुर स्टेशन शाखा का दौरा

श्री जालान ने बताया कि १६ दिनों में पदाधिकारियों ने लगभग २,२०० कि.मी. की यात्रा की और ५३ शाखाओं का गहन दौरा किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी शाखाओं, समाजबंधुओं से रू-ब-रू होकर उनके समस्याओं, विचारों, सुझावों और अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिला जो संगठन को उपयोगी, व्यापक और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा, यही इस श्रमसाध्य प्रक्रिया की वास्तविक उपलब्धि है।

श्री जालान ने कहा कि दौरों के क्रम में समाजबंधुओं के अतिरिक्त मीडिया से सम्पर्क रखा गया और साथ ही कतिपय कारणों से बैठकों में शामिल होने में असमर्थ वयोवृद्ध अभिभावकों, छात्रों-युवाओं एवं महिलाओं से भी सम्पर्क साधा गया, उन्हें सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि संगठन माह ने इस अवधारणा को पुष्ट किया कि संगठन को व्यापक एवं उपयोगी बनाने हेतु इस डिजीटल युग में भी प्रत्यक्ष सम्पर्क का कोई विकल्प नहीं है।

श्री जालान ने बताया कि संगठन माह में मधुबनी प्रमण्डल के उपाध्यक्ष **श्री अजय टीबड़ेवाल** और मंत्री **श्री रविन्द्र नाहटा**, सहरसा के प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष **श्री मनीष सराफ** एवं शाहाबाद के प्रमण्डलीय उपाध्यक्ष **श्री दीपक अग्रवाल** ने अपने प्रमंडल के सभी शाखाओं का दौरा किया और उन्हें १४ मार्च २०२१ को आयोजित प्रादेशिक कार्यकारिणी की बैठक में विधायक **श्री नंदकिशोर यादव** के कर-कमलों से '**कर्मवीर सम्मान**' से नवाजा गया।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

बिहार सम्मेलन का राजस्थानी भाषा अधिकार दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (२१ फरवरी) के अवसर पर इस वर्ष बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने मायड़ भाषा राजस्थानी को संवैधानिक मान्यता दिलाने और संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए एक अनूठा अभियान चलाया। इस अभियान के अन्तर्गत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री, लोकसभाध्यक्ष और राजस्थान के मुख्यमंत्री को ईमेल भेजकर राजस्थानी भाषा के महत्व एवं इसकी मान्यता के लिए उपलब्ध आधारों की जानकारी देते हुए इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का अनुरोध किया गया।

बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष श्री महेश जालान ने बताया कि अभियान का उद्देश्य हमारी अत्यंत समृद्ध, साहित्यिक-वैज्ञानिक मायड़ भाषा को उसकी समुचित पहचान एवं संवैधानिक मान्यता की दीर्घलम्बित माँग को उपयुक्त स्थान तक विनम्रतापूर्वक पहुँचाना था। उन्होंन प्रसन्नता व्यक्त की कि इस अभियान से मुम्बई, नागपुर, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता, सिलीगुड़ी, गुवाहाटी, आदि, सहित देश के विभिन्न भागों से लोग जुड़े और बड़ी संख्या में ईमेल भेजे गए। श्री जालान ने कहा कि राजस्थानी भाषा को उसका समुचित सम्मानजनक, स्थान दिलाने की हमारी मुहिम की सफलता निश्चित है और इस लक्ष्य की प्राप्ति तक हम यथासम्भव प्रयत्न करते रहेंगे।

सीताराम रुँगटा शताब्दी स्मृति राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता : रंग भरी उड़ान – मेरा भारत महान

"हर बच्चे में एक पाब्लो पिकासो, मकबूल फिदा हुसैन और जतिन दास छुपा होता है। जरूरत है उनकी प्रतिभा को सही अवसर देकर निखारने और उभारने की। बिहार हर क्षेत्र में प्रतिभा का धनी है। यहाँ के छात्रों और युवाओं ने देश-विदेश में अपनी योग्यता का परचम लहराया है। राज्य, देश और दुनिया प्रतिभाओं से भरी पड़ी है, जिन्हें आगे लाने का काम शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं को करना चाहिए।" ये विचार बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री महेश जालान** ने बिहार सम्मेलन द्वारा आयोजित 'सीताराम रूँगता शताब्दी स्मृति चित्रकला प्रतियोगिता : रंग भरी उड़ान – मेरा भारत महान' के पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए व्यक्ति किए। पुरस्कार वितरण समारोह १४ मार्च २०२१ को खण्डेलिया भवन, पटना में आयोजित किया गया।

ज्ञातव्य है कि स्वनामधन्य उद्योगपति–समाजसेवी, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **स्व. सीताराम रुँगटा** (२७ दिसम्बर १९२० - १७ अप्रैल १९९४) की जन्मशती के उपलक्ष्य में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई।

चित्रकला प्रतियोगिता के संयोजक **श्री राजेश कुमार सुंदरका** ने बताया कि बिहार के २४ शहरों के २०० से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। तीन श्रेणियों में आयोजित प्रतियोगिता की प्रत्येक श्रेणी से पाँच विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के विजेता रहे:

प्रथम श्रेणी : **दिव्यांशु गोयनका (दरभंगा)**
कनिष्का अग्रवाल (बेगूसराय)
नव्या पंसारी (निर्मली)
मोहित अग्रवाल (बैरगनिया)
आरव सर्राफ (बक्सर)

द्वितीय श्रेणी : **मुस्कान हिसारिया (सीतामढ़ी)**
श्रेया अग्रवाल (डेहरी)
निस्का चिरानिया (नवगछिया)
माही शर्मा (रोसड़ा)
सिया बंसल (सहरसा)

तृतीय श्रेणी : **श्रेयसी तुलस्यान (खगड़िया)**
रिया नाहटा (खुटौना)
अरुणिम सुरेका (पटना)
ऐश्वर्या पोद्दार (छपरा)
प्रेरणा अग्रवाल (गणपतगंज)

वरीय प्रादेशिक उपाध्यक्ष **श्री राजेश बजाज** ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन में अग्रणी सक्रिय सहयोग हेतु **नवगछिया, बक्सर, छपरा, बेगूसराय, सीतामढ़ी, दरभंगा** और **मुजफ्फरपुर** शाखाओं को पुरस्कृत किया गया। सारे पुरस्कार विधायक **श्री नंदकिशोर यादव** के कर-कमलों से प्रदान किए गए।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियाँ

बरपेटा रोड महिला शाखा एवं बरपेटा रोड शाखा का पदभारग्रहण

गत २४ मार्च २०२१ को **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बरपेटा रोड महिला शाखा** एवं **बरपेटा रोड शाखा** का संयुक्त पदभारग्रहण समारोह स्थानीय राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी प्रांगण में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल** ने बरपेटा रोड महिला शाखा की निर्वाचित अध्यक्षा **श्रीमती ईस्मिता शर्मा** एवं बरपेटा रोड शाखा के निर्वाचित अध्यक्ष **श्री गोपाल सारडा** को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्वोत्तर सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल ने सम्मेलन के कार्यक्रमों की सफलता हेतु समाज के सभी तबकों के साथ आने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन, महिला सम्मेलन एवं युवा मंच वस्तुत: शरीर के अंगों की तरह हैं और समाज की प्रगति हेतु इन सबकी सहभागिता अनिवार्य है।

बरपेटा रोड महिला शाखा की अध्यक्षा **श्रीमती सीता देवी हरलालका** एवं बरपेटा रोड शाखा के अध्यक्ष **श्री गोपाल महेश्वरी** ने अपने कार्यकाल के दौरान सहयोग हेतु सभी का आभार प्रकट किया। बरपेटा रोड महिला शाखा की नवमनोनीत सचिव **श्रीमती राधागिनोरिया** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अरुण अग्रवाल, प्रांतीय सलाहकार श्री नागरमल शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल 'ज') श्री भैरू कुमार शर्मा, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री के.आर. चौधरी, युवा मंच के श्री मुकेश चाचन, शिक्षाविद प्रो. राम अवतार महेश्वरी, प्रो. नर्मल कुमार जैन, सर्वश्री राधा किशन चौधरी, शिव रतन राठी सहित समाज के गणमान्य महिलायें-पुरुष उपस्थित थे।

खारुपेटिया शाखा की आमसभा एवं चुनाव

गत २१ मार्च २०२१ को **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की खारुपेटिया शाखा** की आमसभा शाखाध्यक्ष **श्री अशोक नागोरी** की अध्यक्षता में **श्री निर्मल कुमार चौरड़िया** के आवास पर आयोजित की गई। श्री चौरड़िया ने स्वागत वक्तव्य दिया। शाखा मेत्री श्री दीपक बैद ने पिछली सभा का कार्यवृत प्रस्तुत किया जो स्वीकृत हुआ। अपने अध्यक्षीय संबोधन में शाखाध्यक्ष श्री अशोक नागोरी ने शाखा के स्थापना-काल से अब तक की प्रमुख गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उपस्थितों से अधिकाधिक समाजबंधुओं को सम्मेलन से जोड़ने का अनुरोध किया।

आमसभा में अगले सत्र के शाखाध्यक्ष पद के लिए **श्री दीपक बैद** को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। उपस्थित समाजबंधुओं ने उन्हें बधाई दी। बैठक में मारवाड़ी सम्मेलन एवं अन्य सामाजिक संगठनों में विशिष्ट पदों हेतु निर्वाचन/मनोनयन हेतु **सर्वश्री अशोक नागोरी, दीपक बैद, महेन्द्र छाजेड़ एवं**

महेन्द्र कुमार जैन को सम्मानित किया गया।

सभा में सर्वश्री जगत सिंह सुराणा, गणेश कुमार तोषनीवाल, निर्मल नौलक्खा, विजय रणवीर, सुभाष पांड्या, सुरेश पांड्या, संतोष तोदी, कमल सिंह श्यामसुखा, पवन पोद्दार, ललित कुमार अग्रवाल, किशन भूतड़ा, सुनील पाटनी, मनोज पाटनी, सर्वश्रीमती कविता नागोरी, कुसुम बैद, पूनम रणवीर, संतोष पाटनी, आदि, उपस्थित थे।

Best wishes from

MERIDIAN®
GROUP

FOUNDATIONS FOR LIFE

Meridian Plaza, 209 C.R.Avenue,
4th Floor, kolkata- 700006
Ph: 033-40083125
Website: www.meridiangrouprealty.in

जोरहाट शाखा की आमसभा, पदभारग्रहण एवं पुस्तक-विमोचन

गत ०४ अप्रैल २०२१ को **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा** की आमसभा जोरहाट स्थित सत्संग भवन में आयोजित की गई। सभा में पूर्व शाखाध्यक्ष **श्री बाबूलाल गगड़** ने निर्वाचित अध्यक्ष **श्री अनिल केजड़ीवाल** को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री केजड़ीवाल ने शाखा के पदाधिकारियों (उपाध्यक्षगण – सर्वश्री दिलीप अग्रवाल, मुरलीधर सोनी एवं नितेश जैन; मंत्री – श्री नागर रतावा; सहायक मंत्री – श्री राजेन्द्र कुमार पारीक एवं सीए रमेश राठी; कोषाध्यक्ष – श्री रतनलाल भंसाली; जनसम्पर्क अधिकारी – श्री शंभुदयाल शर्मा) एवं कार्यकारिणी-सदस्यों के नामों की घोषणा की।

इस अवसर पर जोरहाट शाखा द्वारा प्रकाशित '**मंगल परिणय : वैवाहिक रीति-रिवाज मार्गदर्शिका**' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक में विचारोत्तेजक लेख, विवाह की तैयारी में ध्यातव्य विशेष बातें, नेग-परंपरायें, बैठा विवाह पर विशेष नेग, विधवा विवाह और नेग, विदाई के समय बेटी को उपदेश, विवाह की तैयारियों हेतु आवश्यक स्थानीय फोन नम्बरों आदि का समावेश किया गया है। पुस्तक में सराहनीय रूप से इस बात को रेखांकित किया गया है कि मूल रूप से हमारी विवाहपद्धति खर्चीली नहीं है और अधिकतर परम्परायें बाद में जुड़ती गयी हैं। अपने बजट के हिसाब से, बिना कोई वहम पाले, बहुत सी बेतुकी परम्पराओं को छोड़ा जा सकता है।

सभा में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल ग) श्री छत्तर सिंह गिरिया, निवर्तमान शाखाध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद अगरवाला, सर्वश्री माणिकलाल दमानी, पंकज अगरवाल, ओमप्रकाश पचाश सहित अच्छी संख्या में समाज के पुरुष-महिलायें उपस्थित थे।

गुवाहाटी शाखा : राजनैतिक चेतना

लोकतंत्र के पुनीत पर्व विधान सभा चुनाव २०२१ में मताधिकार का सदुपयोग करने, मतदान के प्रति उदासीनता को समाप्त कर नव असम निर्माण हेतु अपने मताधिकार का प्रयोग करने एवं नये मतदाताओं का उत्साहवर्धन करने की मुहिम में **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा** द्वारा गुवाहाटी शहर के पाँच मतदान केन्द्रों – एल.ओ.जी. हाई स्कूल, महाबीर भवन, तेरापंथी भवन, अग्रवाल भवन, गल्लापट्टी एवं निकोल्स स्कूल छत्रीबाड़ी में सेल्फी कार्नर की व्यवस्था की गई।

गुवाहाटी शाखा के मंत्री **श्री शंकर बिड़ला** ने जानकारी दी कि एल.ओ.जी. हाई स्कूल का कार्यभार **श्री विकास जैन** एवं **श्री गौरव सिवोटिया**, महाबीर भवन का **श्री सूरज सिंघानिया**, तेरापंथी भवन का **श्री संजीत धूत** एवं **श्री बिनोद जिंदल**, अग्रवाल भवन का **श्री प्रमोद सिंघानिया** एवं **श्री अशोक कोठारी** एवं निकोल्स स्कूल का **श्री नरेन्द्र सोनी** एवं **श्री प्रवीण डागा** की देखरेख में सम्पादित किया गया। श्री बिड़ला ने बताया कि विभिन्न माध्यमों से सम्मेलन के सदस्यों एवं सभी समाजबंधुओं से अधिकाधिक संख्या में मतदान करने हेतु अनुरोध किया गया।

गुवाहाटी शाखा : मारवाड़ी अस्पताल हेतु पेयजल मशीन का दान

गौहाटी स्थित मारवाड़ी अस्पताल के पाँचवें तल्ले पर अवस्थित मेडिकल रिकर्ड विभाग एवं कोविड टीकाकरण कक्ष के कर्मचारियों और आगन्तुकों की सुविधा तथा आसन्न ग्रीष्म ऋतु के आलोक में **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा** द्वारा **श्री आनंद मित्तल के सौजन्य से** एक पेयजल मशीन लगाई गई।

अस्पताल प्रबंधन समिति के सदस्य **श्री राजकुमार मोर** एवं सहमंत्री **श्री संजय केडिया** ने पेयजल मशीन का लोकार्पण किया। श्री मोर ने अपने वक्तव्य में सम्मेलन की इस जनकल्याणकारी कदम की बहुत सराहना की। सम्मेलन के गुवाहाटी शाखाध्यक्ष **श्री सांवरमल अग्रवाल** ने स्वागत-वक्तव्य दिया। कार्यक्रम संयोजक **श्री सुशील गोयल** एवं **श्री प्रदीप भुवालका** ने भली-भांति पूरी व्यवस्था की। संचालन **श्री रमेश चांडक** ने किया। इस अवसर पर गुवाहाटी शाखा के उपाध्यक्ष **श्री रमेश पारीक**, मंत्री **श्री शंकर बिड़ला**, जनसम्पर्क संयोजक **श्री विकास जैन**, **श्री मनोज जालान**, अस्पताल के अधीक्षक **श्री रोहित उपाध्यक्ष**, सहप्रबंधक **श्री कमला सिंह** सहित गणमान्य समाजबंधु एवं अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित थे।

होली प्रीति मिलन समारोहों का आयोजन

कामरूप शाखा : २० मार्च २०२१ को कामरूप शाखा द्वारा स्थानीय सांगानेरिया धर्मशाला में होली के उपलक्ष्य में सतरंगी रंगोत्सव का आयोजन किया गया। उपस्थितों ने गुलाल एवं चंग की थाप का जमकर लुत्फ उठाया और राजस्थानी लोकगीतों पर झूम-झूम कर नृत्य किया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष (मुख्यालय) **श्री अरुण अग्रवाल**, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य **श्री के.आर. चौधरी** एवं सांगानेरिया धर्मशाला के ट्रस्टी **श्री श्रवण सांगानेरिया** उपस्थित थे जिन्होंने स्थानीय सदस्यों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शाखाध्यक्ष **श्री निरंजन सीकरिया** ने अपने वक्तव्य में सभी का स्वागत किया और होली की शुभकामनायें दी। **श्री प्रभात शर्मा** ने मनमोहक ढंग से गणेशवंदना प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्यों द्वारा होली गीतों की एक पुस्तिका '**खेलो रंग – हमारे संग : होली धमाल २०२१**' का विमोचन हुआ। समारोह का सफल संयोजन सर्वश्री विनोद शर्मा, प्रभात शर्मा एवं अनुज चौधरी ने एवं कुशल संचालन श्री राजेश पोद्दार ने किया। निर्वाचित शाखाध्यक्ष श्री विनोद लोहिया, निवर्तमान शाखाध्यक्ष श्री पवन जाजोदिया, मंत्री श्री दिनेश गुप्ता, सर्वश्री संजय खेतान, उमाशंकर गट्टानी, राजीव अग्रवाल, सर्वश्रीमती/सुश्री वीणा अग्रवाल, सरिता लोहिया, सुनीता गुप्ता, नीलम जाजोदिया, लक्ष्मी अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सुनीता जाजू सहित समाज के गणमान्य पुरुष-महिलायों समारोह में उपस्थित थे।

होली प्रीति मिलन समारोहों का आयोजन

बरपेटा रोड महिला शाखा : २३ मार्च २०२१ को बरपेटा रोड महिला शाखा द्वारा स्थानीय राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी में 'फूलों की होली', मायड़ भाषा दिवस एवं महिला दिवस का आयोजन किया गया। शाखाध्यक्षा **श्रीमती ईस्मिता शर्मा** एवं शाखासचिव **श्रीमती राधा गिनोरिया** ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया एवं होली की शुभकामनायें दी।

इस अवसर पर समाज की तीन विशिष्ट महिलाओं **सर्वश्रीमती अनुराधा महेश्वरी, शशि बोथरा एवं सविता जैन** को समाज के प्रति महनीय अवदानों के लिए **'प्रेरणा सम्मान'** से नवाजा गया।

मायड़ भाषा कार्यक्रम में नृत्य, नाटक, कविता, चुटकले आदि प्रस्तुत किए गए। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। शाखाध्यक्षा श्रीमती ईस्मिता शर्मा ने मायड़ भाषा के घटते प्रयोग को चिंतनीय बताया और सभी से कम से कम अपने घरों में राजस्थानी भाषा के प्रयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन **श्रीमती सविता जैन** (सह सचिव – सांस्कृतिक विभाग) एवं **श्रीमती ममता जैन** ने किया।

उत्तर लक्षीमपुर महिला शाखा : ०३ अप्रैल २०२१ को उत्तर लखीमपुर महिला शाखा का होली मिलन समारोह स्थानीय बासुदेव कल्याण ट्रस्ट में आयजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखाध्यक्षा **श्रीमती उर्मिला दिनोदिया**, निवर्तमान अध्यक्षा **श्रीमती मोहिनी देवी राठी** एवं पूर्व अध्यक्षा **श्रीमती सरोज गिड़िया** द्वारा श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप-प्रज्वलन एवं कार्यकारिणी समिति सदस्याओं द्वारा गणेशवंदना के साथ हुआ।

समारोह के दौरान मनमोहक नृत्य, चंग धमाल, चुटकुले आदि प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। खचाखच भरे सभागार में सभी सदस्याओं ने होली के इस कार्यक्रम का भरपूर लुत्फ उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागी महिलाओं और बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। **श्रीमती मोनिका मालपानी** ने समारोह का कुशल संचालन किया। शाखासचिव **श्रीमती सुषमा लाखोटिया** ने समारोह की सफलता में योगदान हेतु सभी सदस्याओं का आभार निवेदित किया है।

शिलांग महिला शाखा : शिलांग महिला शाखा के होली प्रीति मिलन में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मिष्टान्न प्रतियोगिता में **श्रीमती सीमा चौहान** प्रथम एवं **श्रीमती स्निग्धा सिंघानिया** द्वितीय पुरस्कार हेतु चयनित हुई। लड्डू गोपाल होली सज्जा प्रतियोगिता में **श्रीमती हेमा शर्मा** प्रथम एवं **श्रीमती संजू गोयनका** को द्वितीय पुरस्कार मिला। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में **श्रीमती मनीषा झुनझुनवाला** ने प्रथम पुरस्कार जीता। **श्रीमती जूली जैन** को सर्वश्रेष्ठ मनोरंजन हेतु पुरस्कृत किया गया।

शाखाध्यक्षा **श्रीमती मनीषा झुनझुनवाला**, उपाध्यक्षा **श्रीमती सीमा चौहान**, सहसचिव **श्रीमती मंजु बाजोरिया** एवं कोषाध्यक्ष **श्रीमती नीलम बजाज** ने पुरस्कार प्रदान किए। **श्रीमती पूनम मोर्दानी** ने न्यायाधीश की भूमिका निभाई। **श्री लक्की सिंघानिया** के चंग पर गाये गीतों का सभी उपस्थितों ने आनन्द उठाया एवं नाचे-झूमे।

होली प्रीति मिलन समारोहों का आयोजन

जोरहाट शाखा : ३० मार्च २०२१ को जोरहाट शाखा द्वारा स्थानीय मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी के मालू हॉल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समाज की महिलाओं ने राजस्थानी परम्परागत वेशभूषा में मनमोहक नृत्य एवं चंग धमाल प्रस्तुत किया, सभी उपस्थितों को झुमाया और खूब वाहवाही बटोरी। **सर्वश्रीमती/सुश्री शांति मालपानी, कांति करनानी, विमला भट्टड़, सुनीला भड़ेच** आदि की महती भूमिका रही।

शाखाध्यक्ष **श्री राजेन्द्र प्रसाद अगरवाला** ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। **श्री नागर रतावा** ने कार्यक्रम का संचालन किया। निर्वाचित शाखाध्यक्ष **श्री अनिल केजड़ीवाल** ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग हेतु सभी समाजबंधुओं और मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया।

सुण बागां की मोरणी

(सम्मेलन की कामरूप शाखा द्वारा होली के अवसर पर प्रकाशित राजस्थानी लोकगीतों की पुस्तक से उद्धृत)

सुण बागां की मोरणी ए थारी, घणी सुरंगी चाल
कुण सो रंग लगाऊं थार, ए नखराळी नार
सुण बाणां का मोरीया रे, सुपन का राजकुमार
थार रंग म रंग गई मतो और रंग ना डार
लाल चुनड़ी गाल गुलाबी, होठा को रंग लाल
नाक म नथली हाथ म चुड़लो थारो रूप कमाल
धीमी धीमी चाल मिजाजण, नेण बाण मत मार
कुण सो रंग लगाऊं....
बाजू बंदरी लुमा सुं म, आंगणियो बुहारूं
पलका रे पालणिय थान राखू रोज निहारूं
तू म्हार मन को मीत बण्यो म, हो गई निहाल
थार रंग म रंग गई....
थार रूप को मस्त नजारो, हिवड़ बसग्यो म्हार
यो चन्दो भी चढ़ गिगनार्‌या थारो रूप निहार
अंग अंग थार बगीया महके, चाल मस्त बयार
कुण सो रंग लगाऊं....

समाचार सार

झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा १० मार्च २०२१ को खूंटी स्थित राजस्थान भवन में खूंटी जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों के साथ बैठक की गई जिसमें खूंटी जिले के द्वारा कोविड के समय किये गए सेवा कार्यों के लिये 'कोविड वारियर' के सम्मान से सम्मानित किया गया। इस बैठक में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री कमल केडिया, श्री विनोद जैन, प्रान्तीय महामंत्री श्री पवन शर्मा, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री किशोर मंत्री, प्रान्तीय सहायक महामंत्री श्री कौशल राजगढ़िया श्री विष्णु प्रसाद कार्यकारणी सदस्य श्री अनिल अग्रवाल उपस्थित हुए।

KOX HOSIERY PVT. LTD.

Registered Office: 1/4D, Khagendra Chatterjee Road, Kolkata - 700 002
Corporate Office: 1202B, PS Srijan Corporate Park, GP Block, Sector V, Saltlake City, Kolkata - 700 091
Visit us : www.koxgroup.com, E-mail : info@koxgroup.com, Customer Care No.: 033-4006 4747

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा लोहरदगा जिला में १८ मार्च २०२१ को एक बैठक की गई। जिसमें कोरोना काल में किये गए सेवा कार्य हेतु प्रान्तीय सम्मेलन द्वारा लोहरदगा जिले को 'कोविड वारियर' सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री कमल केडिया, प्रान्तीय महामंत्री श्री पवन शर्मा, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री किशोर मंत्री, संयुक्त महामंत्री श्री कौशल राजगढ़िया, श्री विष्णु सेन, विभागीय मंत्री श्री अनिल अग्रवाल, आदि, उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अग्रवाल समाज, समता कॉलोनी के सौजन्य से एक वाटर कूलर का लोकार्पण मायाराम सुरजन स्कूल, चौबे कॉलोनी, रायपुर, में किया गया। लोकार्पण समारोह में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, महामंत्री श्री अमर बंसल, सर्वश्री कमलेश सिंघानिया, कमल गुप्ता, घनश्याम पोद्दार, हरीश अग्रवाल, स्कूल की प्राचार्या श्रीमती पद्मिनी शर्मा, आदि, उपस्थित थे।

समाचार सार

कोरोना महामारी को देखते हुए मारवाड़ी सम्मेलन, चाईबासा ने कोरोना मरीजो के लिए एस. आर. रुँगटा ग्रुप के सौजन्य से ऑक्सीजन सेवा चालू करने का निर्णय लिया है। सम्मेलन के पदाधिकारियों ने इस संदर्भ में एस. आर. रुँगटा ग्रुप के श्री मुकुंद जी रुँगटा से संपर्क किया और अपील की जिसे उन्होंने तुरंत अपनी स्वीकृति दी और कहा कि और भी अगर कोई जरूरत पड़ती है तो एस. आर. रुँगटा ग्रुप हमेशा तैयार है। कोरोना महामारी भयावह रूप अख्तियार करते जा रही है और मरीजों का ऑक्सीजन लेवल गिर रहा है जिसके चलते कोरोना मरीजो को ऑक्सीजन की जरूरत हो रही है। इस विषम परिस्थिति को देखते हुए मारवाड़ी सम्मेलन ने ऑक्सीजन सेवा की शुरूआत की है। पिछले साल भी कोरोना महामारी के समय मारवाड़ी सम्मेलन ने चाईबासा में जनहित में अनेको कार्य किये थे। सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अनिल मुरारका ने बताया कि आगे अगर और भी सेवा कार्यों की जरूरत पड़ेगी, सम्मेलन उसे बखूबी करेगा। ऑक्सीजन सेवा के उद्घाटन के मौके पर सर्वश्री अनिल मुरारका, नारायण पाड़िया, रूपेश अग्रवाल, अजय बजाज, अमित मित्तल, श्रवण खोवाला, धीरज अग्रवाल, मनोज शर्मा, पवन चांडक, जिला अध्यक्ष राजकुमार मूंदड़ा, जिला सचिव नरेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज़ चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

कविता

मैं मुरदो जीतो जागतो

– रतन लाल बंका
राँची, झारखंड

मैं मुरदो जीतो जागतो
मूढ़ गधै सो सुन्नै सो
सो क्यूं सैतो
उफान दूध सो
कदै कदै आ भी जावै तो
के उपाय
का ठंडा छींटा पड़ता ही
बैठ जावै
मन्नै चिंता याई
कंया मेरी गृस्ती की चालै चाकी
ई उधेड़बुन म ही
मैं रैवूं फिरतो
मैं मुरदो जीतो जागतो

आंख्या सामी
भरस्ट आचरण
देखता ही लोई उबाल खावै
चाये रेल की रिजरवेसन हो
सरकारी दफ्तर को काम हो
सरकारी टेण्डर हो
मकानां को नक्सो पास कराणो हो
कोट कचैरी को काम हो
सै जगैह
ऐक ही हाल है

बातां आपां बड़ी बड़ी
करल्या हां
भरस्टाचार न दुत्कारा हां
पण जद खुद को काम पड़ै
आंख्यां मीचल्या हां
के उपाय
काम तो कराणो ही है
भरस्टाचार न सदाचार मानल्या हां
मैं भी देदयू
देर कोनी करूं
भरस्टाचार पै अंगूठो चेपतो
मैं मुरदो जीतो जागतो

जाणां कोनी आपां कद सुधरांगा
कंया सुधरांगा
सुधरांगा या नईं
या यो गोरखधंधो
अंया ही चालतो रैसी
मुफ्तखोरी को नशो भी
सै सरकारां डाल री है
मुफ्तखोरी स आपां घणा राजी
काम करणिया टैक्स देवो
निक्कमा मज़ा उड़ासी
मुफ्तखोरी स चरितर आपणो
पींदै बैठ्योड़ो है
के होसी
कंया सुधरसी
पतो कोनी
मैं रात दिन याही रूह सोचतो
मैं मुरदो जीतो जागतो

मैं एकलो ही कोनी
सारै कुंअ भांग पड़ैड़ी है
सगळो देस ही पीड़ित है
सै मिल कै गांठ बांध ल्यां
भरस्टाचार न करांगा
न करणै द्यांगा
तो ही सुधार हो सकै है
खुद को नफो नुकसान देख्यां
पार कोनी पडै
तो ही देस
दिखैगो आगै बढ़तो
मैं मुरदो जीतो जागतो

स्वास्थ्य ही धन है

गुड़ : स्वाद भी, गुण भी!

खाना खाने के बाद अक्सर मीठा खाने का जी करता है। ऐसे में गुड़ एक स्वस्थ विकल्प है।

पाचन क्रिया को सही रखने में गुड़ सहायक है।

गुड़ एक रक्तशोधक है और मेटाबॉलिज्म को सही रखने में मदद करता है। रोज एक गिलास पानी या दूध के साथ गुड़ का सेवन पेट को ठंडक और शांति प्रदान करता है। (गैस) वात विकार के रोगियों को प्रतिदिन दिन एवं रात के खाने के बाद थोड़ा गुड़ जरूर खाना चाहिए।

गुड़ आयरन का एक अच्छा स्रोत है। इसलिय यह अनीमिया के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है। खासतौर पर महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

रक्त के अवगुणों (टाक्सिंस) को दूर करने की क्षमता के कारण, गुड़ का सेवन त्वचा के लिए बहुत लाभदायक है। त्वचा दमकती रहती है और मुहांसे की समस्या नहीं होती।

गुड़ की तासीर गर्म है इसलिए इसका सेवन जुकाम एवं कफ से आराम दिलाता है। जुकाम के दौरान अगर आप कच्चा गुड़ नहीं खाना चाहते तो चाय या लड्डू में इसका प्रयोग कर सकते हैं।

तत्काल ऊर्जा पाने के लिए गुड़ एक अच्छा माध्यम है। थकान या कमजोरी महसूस होने पर गुड़ का सेवन करने से ऊर्जा का स्तर तत्काल बढ़ जाता है। यह जल्दी पच जाता है और इससे मधुमेह (सुगर) पर भी इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

गुड़ शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसमें ऐंटी-एलर्जिक तत्व भी होते हैं जो दमा के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद हैं। गुड़ और काले तिल के लड्डू दमा के रोगियों के लिए औषधि समान हैं। सरसों तेल और गुड़ बराबर मात्रा में मिलाकर खाने से भी श्वास के रोगियों को आराम मिलता है।

अदरक के साथ गुड़ का सेवन करने से जोड़ों के दर्द से पीड़ित व्यक्ति को आराम मिलता है।

पके चावल के साथ गुड़ खाने से बैठा हुआ गला और आवाज खुल जाती है।

जुकाम जम गया हो तो गुड़ पिघलाकर उसकी पपड़ी बनाकर खिलायें।

गुड़ और घी मिलाकर खाने से कान के दर्द में आराम मिलता है।

पाँच ग्राम सौंठ, दस ग्राम गुड़ के साथ खाने से पीलिया रोग में लाभ होता है।

गुड़ का हलवा खाने से स्मरणशक्ति बढ़ती है।

(संकलन : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ)

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

वरं वृणीमहेऽथापि नाथ त्वत्परतः परात्।
न ह्यन्तस्त्वद्विभूतीनां सोऽनन्त इति गीयसे।।

अतः हे स्वामी, हम आपसे वर देने के लिए प्रार्थना करेंगे, क्योंकि आप समस्त दिव्य प्रकृति से परे हैं और आपके ऐश्वर्यों का कोई अन्त नहीं है। इसलिए आप अनन्त नाम से विख्यात है।

मनुः स्वयम्भूर्भगवान्भवश्च
येऽन्ये तपोज्ञानविशुद्धसत्त्वाः।
अदृष्टपारा अपि यन्महिम्नः
स्तुवन्त्यथो त्वात्मसमं गृणीमः।।

हे भगवान्, तप तथा ज्ञान के कारण सिद्धिप्राप्त बड़े-बड़े योगी तथा शुद्ध अस्तित्व में स्थित लोगों के साथ-साथ मनु, ब्रह्मा तथा शिव जैसे महापुरुष भी आपकी महिमा तथा शक्तियों को पूरी तरह नहीं समझ पाते हैं। फिर भी वे यथाशक्ति आपकी प्रार्थना करते हैं। उसी प्रकार हम इन महापुरुषों से काफी छोटा होते हुए भी अपने सामर्थ्य के अनुसार प्रार्थना कर रहे हैं।

नमः समाय शुद्धाय पुरुषाय पराय च।
वासुदेवाय सत्वाय तुभ्यं भगवते नमः।।

हे भगवान्, आपके न शत्रु हैं न तो मित्र। अतः आप सबों के लिए समान हैं। आप पापकर्मों के द्वारा दूषित नहीं होते और आपका दिव्य रूप सर्वदा भौतिक सृष्टि से परे है। आप पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् हैं, क्योंकि आप सर्वव्यापी हैं, इसलिए आप वासुदेव कहलाते हैं। हम आपको सादर नमस्कार करते हैं।

यावत्ते मायया स्पृष्टा भ्रमाम इह कर्मभिः।
तावद्भवत्प्रसङ्गानां सङ्गः स्यान्नो भवे भवे।।

हे स्वामी, हमारी प्रार्थना है कि जब तक हम अपने सांसारिक कल्मष के कारण इस संसार में रहें और एक शरीर से दूसरे शरीर में तथा एक लोक से दूसरे लोक में घूमते रहें, तब तक हम उनकी संगति में रहें जो आपकी लीलाओं की चर्चा करने में लगे रहते हैं। हम जन्म-जन्मान्तर विभिन्न शारीरिक रूपों में और विभिन्न लोकों में इसी वर के लिए प्रार्थना करते हैं।

राजोवाच

नमो महद्भ्योऽस्तु नमः शिशुभ्यो
नमो युवभ्यो नम आवटुभ्यः।
ये ब्राह्मणा गामवधूतलिङ्गा–
श्चरन्ति तेभ्यः शिवमस्तु राज्ञाम्।।

मैं उन महापुरुषों को नमस्कार करता हूँ जो शिशु, युवा बालक, दिव्य ज्ञान में सिद्ध या महान ब्राह्मण के रूप में पृथ्वी पर विचरण करते हैं। यदि वे विभिन्न वेशों में छिपे हुए हैं, तो भी मैं उन सबको नमस्कार करता हूँ। उनके अनुग्रह से उनका अपमान करने वाले राजवंशों का कल्याण हो।

श्रीभगवानुवाच

ॐ नमो भगवते महापुरुषाय
सर्वगुणसङ्ख्यानायानन्तायाव्यक्ताय नम इति।।

हे पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान्, मैं संकर्षण के रूप में आपको आदरपूर्वक प्रणाम करता हूँ। आप समस्त दिव्य गुणों के आगार हैं। यद्यपि अनन्त होकर भी आप अभक्तों के लिए अप्रकट रहते हैं।

भजे भजन्यारणपादपङ्कजं
भगस्य कृत्स्नस्य परं परायणम्।
भक्तेष्वलं भावितभूतभावनं
भवापहं त्वा भवभावमीश्वरम्।।

हे प्रभो, आप ही केवल एकमात्र आराध्य है, क्योंकि आप ही समस्त ऐश्वर्यों के आगार पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान हैं। आपके चरण-कमल आपके सभी भक्तों के लिए सुरक्षा का एकमात्र स्त्रोत हैं। आप अपने आप को विभिन्न रूप में प्रकट करते हुए भक्तों को सन्तुष्ट करने वाले हैं। हे प्रभो, आप अपने भक्तों को भौतिक संसार के चंगुल से बचाने वाले हैं। आपकी इच्छा के कारण अभक्त लोग इस भौतिक संसार में उलझे रहते हैं। कृपया आप मुझे अपने नित्य दास के रूप में स्वीकार करें।

यस्याद्य आसीद्गुणविग्रहो महान्
विज्ञानधिष्ण्यो भगवानजः किल।
यत्सम्भवोऽहं त्रिवृता स्वतेजसा
वैकारिक तामसमैन्द्रियं सृजे।।
एते वयं यस्य वशे महात्मनः
स्थिताः शकुन्ता इव सूत्रयन्त्रिताः
महानहं वैकृततामसेंद्रियाः
सृजाम सर्वे यदनुग्रहादिदम्।।

पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् से ही ब्रह्माजी प्रकट होते हैं, जिनका शरीर महत् तत्व से निर्मित है और वह भौतिक प्रकृति के रजोगुण द्वारा प्रभावित बुद्धि का आगार है। ब्रह्माजी से मैं स्वयं रूद्र, मिथ्या अहंकार रूप में उत्पन्न हुआ हूँ। मैं अपनी शक्ति से अन्य सभी देवताओं, पंच तत्त्वों तथा इन्द्रियों को जन्म देता हूँ। इसलिए मैं पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान की आराधना करता हूँ। वे हम सबों से श्रेष्ठ हैं और जिनके नियन्त्रण में समस्त देवता, महत् तत्त्व तथा इन्द्रियाँ, यहाँ तक कि ब्रह्माजी और स्वयं मैं भी, एक डोरी से बँधे पक्षियों कि तरह स्थित हैं। केवल उन्हीं के अनुग्रह से हम यह भौतिक जगत का सृष्टि, पालन एवं संहार करते हैं। इसलिए मैं परमब्रह्म को सादर नमस्कार करता हूँ।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती कंचन देवी चाण्डक मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती कंचन धानुका** अठगाँव, गुवाहाटी, असम	**श्री करनिदान झंवर** लीलाबाड़ी, लखिमपूर, असम	**श्रीमती खुशबू सेठिया** पॉल पट्टी, धेमाजी, असम	**श्री खुशहाल अग्रवाला** गोलाघाट, लखिमपुर, असम
श्रीमती किरण भट्टर मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती किरण पहाड़िया** फैन्सी बजार, गुवाहाटी, असम	**श्री किरण तापड़िया** कुमारपाड़ा पंचाली, गुवाहाटी, असम	**श्री किशन लाल व्यास** जी.एन.वी रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती कोमल झुनझुनवाला** पान बाजार, गुवाहाटी, असम
श्री कृष्ण पारिख एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती कुसुम धानुका** अठगाँव, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती कुसुम गाड़ोदिया** एस.आर.सी.वी रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती कुसुम जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती कुसुम जैन** ११८ एम.जी.रोड, गुवाहाटी, असम
श्रीमती कुसुम जैन भरालुमुँख, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती कुसुम जलान** क्रिश्चिन बस्ती, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती लाजवंती कौशिक** डी.के. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री लक्ष्मण प्रजापत** लिकाबली रोड, धेमाजी, असम	**श्री लक्ष्मी नारायण बिहानी** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम
श्रीमती ललिता गोयल नारायण नगर, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती ललिता लोहिया** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती लता खण्डेलवाल** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती लता खेमका** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती लक्ष्मी खण्डेलवाल** मेन रोड, धेमाजी, असम
श्री लक्ष्मी नारायण पाण्डे जे.एन. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री लक्ष्मी नारायण पारिक** जी.एन.बी रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती लीना शर्मा** बालाजी रेसीडेंसी, गुवाहाटी, असम	**श्री मदन लाल पारिक** सोनाजुली नाथगाँव, सोनितपुर, असम	**श्रीमती मधु अग्रवाल** कालीबाड़ी रोड, धेमाजी, असम
श्रीमती मधु बाजोरिया फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मधु देवी मालू** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती मधु धानुका** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मधु गोयनका** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मधु जैन** एम.वी. रोड, धेमाजी, असम
श्रीमती मधु सैनी एम.बी.रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती मधु सिंघानिया** उल्लुबाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्री मधुलिका सिओटिया** फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्री मगनमल संचेती** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री महेश बंसल** जी.एन.बी. रोड, सोनितपुर, असम
श्री महेश कुमार पारिक एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री मालचंद गट्टनी** टेम्पल रोड, शिवसागर, असम	**श्री मालचंद राठी** एल.के.बी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती ममता अग्रवाल** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती ममता हरलालका** विरूबाड़ी, गुवाहाटी, असम
श्रीमती ममता नागोरी कुमारपाड़ा पंचाली, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती ममता पसारी** उल्लुबाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती ममता रासिवासिया** पान बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती ममता शर्मा** भरालुमुख, गुवाहाटी, असम	**श्री मांगीलाल डालमिया** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम
श्री मणि राम जोशी लाईन नं.-२३, सोनितपुर, असम	**श्री मानिकचंद केडिया** बी.जी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती मनीषा जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती मनीता धिरासरिया** नारायणनगर, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मंजु अग्रवाल** धेमाजी, असम
श्रीमती मंजु अगरवाला रेहबरी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मंजु भजनका** क्रिसचन बस्ती, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मंजु भंसाली** रेलवे गेट नं.-०८, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मंजु छाबरा** मचखोवा, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मंजु हरलालका** लाखटोकिया, गुवाहाटी, असम
श्रीमती मंजु सोनी जू रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री मनोज भारद्वाज** डी.के. रोड, लखिमपुर, असम	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** ए.टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री मनोज पाटोदिया** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री मनोज पोद्दार** जी.एन.जी. पथ, शिवसागर, असम
श्री मनोज सिंघानिया मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती माया लोहिया** एन.टी. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती मीना मोरे** जी.एस. रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती मीरा बगाड़िया** केदार रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती मीरा संचेती** कल्याणपुर, धेमाजी, असम
श्रीमती मीनू पोद्दार एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्रीमती मोनिका जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती मोनिका मालपानी** एन.टी.रोड, लखिमपुर, असम	**श्रीमती मुक्ता कसेरा** कल्पाहार, गुवाहाटी, असम	**श्री मुकुन्द सहारिया** जी.एन.जी. पथ, शिवसागर, असम
श्रीमती मुन्नी दोशी कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम	**श्री नंदकिशोर बिहानी** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री नंदकिशोर लोहिया** बाजारपट्टी, लखिमपुर, असम	**श्री नवनित दुग्गड़** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री नेमीचंद तयाल** एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम
श्री निरंजन कामदार सिंहदुल्ला रोड, शिवसागर, असम	**श्री निरंजन कॉरवा** पॉलपट्टी रोड, धेमाजी, असम	**श्री निर्मल झुरिया** बी.जी. रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती निर्मला कौशिक शर्मा** केदार रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती निर्मला पाटनी** कुमारपाड़ा पांचाली, गुवाहाटी, असम
श्रीमती नीरू काबड़ा टी.आर.पी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती निशा धानुका** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्रीमती नीता चाण्डक** एल.बी. रोड, धेमाजी, असम	**श्री नोरत मल भोजक** सोनितपुर, असम	**श्री ओम प्रकाश चाण्डक** टी.बी. रोड, लखिमपुर, असम
श्री ओम प्रकाश सिंगला एम.जी. रोड, सोनितपुर, असम	**श्री ओम प्रकाश शर्मा (जे.आर)** खेलमती रोड, लखिमपुर, असम	**श्री पहाड़ सिंह पवार** मेन रोड, धेमाजी, असम	**श्री पवन अग्रवाल** लिकाबली रोड, धेमाजी, असम	**श्री पवन जैन** मेन रोड, धेमाजी, असम

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 26th April 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

MUSCLE TEE

RUPA®
FRONTLINE
HUNK

IS THERE
A HUNK IN YOU?

www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com